1-1-2016

❀ संकल्प ❀

शुक्रवार
कच्छ आश्रम

आज नववर्ष के प्रथम
दिन पर "संकल्प" ले
की "ध्यान" को आज
से अपना शौक बनायेंगे
आपको नववर्ष पर खुब
खुब आर्शिवाद यह वर्ष
आपके जिवन मयी
"आध्यात्मिक क्रान्ती" लाये।

आपका
बाबास्वामी
1/1/2016

2.1.2016
शनीवार
कच्छ आश्रम

❀ परमात्मा ❀

"परमात्मा" को समझना आध्यात्मीक मार्ग की पहली पादान है, उसे जाने बीना आध्यात्मीक "प्रगती" संभव नहीं है।

बाबास्वामी
2/1/2016

3-1-2016
रविवार
गांन्धीधाम

✿ परमात्मा ✿

परमात्मा एक "विश्व चेतना शक्ती" जो वर्तमान समय के "माध्यमो" के "माध्यम" से प्रगट होती रहती है,

बाबास्वामी
3/1/2016

5.1.2016
मंगलवार
गान्धीधाम

परमात्मा

परमात्मा के वर्तमान के माध्यम
को जानने के लिये हमे भी
"वर्तमान" मे जिना पडता है।

बाबास्वामी
5/1/2016

6.1.2016
बुधवार
सौराष्ट्र आश्रम

परमात्मा

"परमात्मा" को पाना प्रत्येक आत्मा के जिवन का एकमात्र लक्ष्य होना है।
उसे पाये बीना मनुष्य संपुर्ण "समाधान" को प्राप्त नही कर सकता।

बाबास्वामी
6/1/16

137

7-1-2016

✿ प्रगती ✿

गुरुवार

सौराष्ट्र आश्रम

संपुर्ण समाधान प्राप्त किये बीना "आध्यात्मीक प्रगती" संभव नही ।

बाबास्वामी

7/1/16

138
8-1-2016
शुक्रवार
सौराष्ट्र आश्रम

{ संपूर्ण समाधान }

संपुर्ण समाधान प्राप्त हो जाने के बाद शरीर भाव ही समाप्त हो जाता है, क्योकी शरीर से पाने के लीये कुछ भी बाकी ही नही रहता।

बाबास्वामी
8/1/2016

139

9-1-16

शरीर

शनीवार
सौराष्ट्र आश्रम

शरीर की "अपेक्षाएं" पुर्ण होने के बाद ही मनुष्य "आत्मा" के क्षेत्र मे पहुचता है।

बाबास्वामी
9/1/2016

140
10-1-16
रविवार
सौराष्ट्र आश्रम

ꕥ मोक्ष ꕥ

शरीर मोक्ष का स्थिती पाने का "साधन" भी है। और दुसरी ओर "मोक्ष" की स्थिती पाने की सबसे बडी "बाधा" भी है।

बाबास्वामी
10|1|2016

141
11-1-2016
सोमवार
मुंबई

❀ साधन ❀

शरीर "आत्मा" को समर्पीत किया तो शरीर "साधन" है। और आत्मा शरीर को समर्पीत की तो शरीर मोक्ष की सबसे बडी बाधा है।

बाबास्वामी
11/1/2016

142
12.1-16
मंगलवार

उपयोग

आप आपके शरीर का
क्या और कैसा "उपयोग"
करले तो उस पर "मोक्ष"
पाना निर्भर है।

बाबा स्वामी
12|1|16

143
13.1.16
बुधवार

आत्मा

शरीर पर "आत्मा" का
नियंत्रण होना चाहिये
"आत्मा" पर शरीर का
नही

बाबा स्वामी
13/1/14

144
14.1.16

❀ शरीर ❀ गुरुवार

शरीर को आप "हाड मांस का लोथड़ा" कहो "मलमुत्र का थैला" कहो लेकीन यह याद रखो इसके बीना आत्मा को "मोक्ष" संभव ही नही है।

बाबास्वामी
14/1/16

196
16.1.16
शनिवार

❀ भय ❀

मृत्यु का "भय" ही सबसे
बड़ा शरीर भाव है।
जो हमे "शरीर" से बांधे
रखता है।

बाबास्वामी
16/1/16

147
17.1.16
रविवार
(भावनगर)

❀ जैन मुनी ❀

मेरे पास से कुछ
"जैन मुनी" शरीर को
छोडकर ध्यान की
साधना सिखना भी
चाहते है, और "मृत्यु"
से "डरते" भी है, क्यो
इस साधना मे सदैव
के लीये शरीर छुट जाय
यह भी "संभावना" है।

बाबास्वामी
17|1|16

18-1-16
सोमवार

शरीर

शरीर को छोड़कर "ध्यान की साधना" मे एक पतले "महीन रेशे" के सहारे ही शरीर मे वापस आना होता है, इसमे चुके तो भी शरीर "छुट" सकता है,

बाबा स्वामी
18/1/16

149

19.1.16
मंगलवार

❀ परमअवस्था ❀

दुसरा आकाश मे एक "उच्च अवस्था" प्राप्त होने पर भी शरीर मे वापस आने की "इच्छा" ही न हो तो भी शरीर "छुट" सकता है,

शिवबाबास्वामी
19|1|16

150

20.1.16
बुधवार

❀ आसक्ती ❀

जिन्हे शरीर के प्रती आसकती है, वे इस साधना को न करे वही "अश्रद्धा" है,

बाबास्वामी
20|1|16

नोट

जिन्होंने इस "साधना का ज्ञान" प्राप्ती की है, वह जैन मुनी यह साधना गुरु के सान्निध्य से ही करे

बाबास्वामी
20|1|16